संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश

4 वर्षों की गतिविधियाँ

संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश

संस्कृति विभाग, उ0प्र0

प्रशासनिक ढ़ांचा

स्थापना वर्ष
1957

संस्कृति निदेशालय उ0प्र0

उ0प्र0 राज्य पुरातत्व निदेशालय

उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय

संस्कृति निदेशालय उ0प्र0

- उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार
  - क्षेत्रीय अभिलेखागार, प्रयागराज, वाराणसी एवं आगरा।
  - राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय प्रयागराज।
- पुरावशेष एवं बहुमूल्य कलाकृति/ क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र
- स्वायत्तशासी संस्थायें
  - भातखण्डे संगीत संस्थान सम–विश्वविद्यालय
  - उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी
  - उ0प्र0 राज्य ललित कला अकादमी
  - भारतेन्दु नाट्य अकादमी
  - अयोध्या शोध संस्थान
  - राष्ट्रीय कथक संस्थान
  - जैन विद्या शोध संस्थान
  - जनजाति एवं लोक कला संस्कृति संस्थान
  - अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध विद्या शोध संस्थान

उ0प्र0 राज्य पुरातत्व निदेशालय

- क्षेत्रीय पुरातत्व, इकाई, आगरा, झांसी, वाराणसी, प्रयागराज एवं गोरखपुर

उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय

- राज्य संग्रहालय, लखनऊ
- लोक कला संग्रहालय, लखनऊ
- डॉ0 भीमराव अम्बेडकर संग्रहालय एवं पुस्तकालय, रामपुर
- राजकीय संग्रहालय, झांसी, मथुरा एवं कन्नौज
- जनपदीय संग्रहालय, सुल्तानपुर
- कालका बिन्दादीन ड्योढ़ी एवं कथक संग्रहालय, लखनऊ
- राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर, कुशीनगर, सिद्धार्थनगर
- राजकीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय, मेरठ
- स्व0 लाल बहादुर शास्त्री स्मृति संग्रहालय, वाराणसी
- अंतर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय, अयोध्या, अयोध्या
- राजकीय जैन संग्रहालय, मथुरा
- बाल संग्रहालय, कन्नौज (निर्माणाधीन)

संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश

सरदार वल्लभ पटेल की प्रतिमा का लोकार्पण करते हुए मा0 राज्यपाल, उ0प्र0 एवं मा0 मुख्यमंत्री, उ0प्र0

4 वर्षों की गतिविधियाँ

संस्कृति निदेशालय, उ0प्र0, लखनऊ

संस्कृति, वैज्ञानिक अनुसंधान एवं ललित कला संबंधी विविध गतिविधियों के संवर्द्धन एवं सम्यक् समन्वय हेतु सन् 1957 में इण्डोलॉजी, संस्कृति एवं साइंटिफिक रिसर्च नामक विभाग की स्थापना की गयी। इस नवसृजित विभाग के कार्यक्षेत्र में संग्रहालय, पुरातत्व, भू–विज्ञान एवं खनन, राजकीय वेधशाला, नैनीताल, गर्वमेंट कालेज आफ फाइन आर्टस् एण्ड क्राफ्ट, वैज्ञानिक अनुसंधान कमेटी एवं अन्य संस्थाएँ जैसे रजा लाइब्रेरी, रामपुर, जी0एन0झा0 शोध संस्थान, इलाहाबाद (वर्तमान प्रयागराज), नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, यू0पी0 हिस्टॉरिकल सोसाइटी, भातखण्डे कालेज आफ हिन्दुस्तानी म्यूजिक आदि सम्मिलित थे। सन् 1959 में इसे सांस्कृतिक कार्य एवं वैज्ञानिक अनुसंधान की संज्ञा दी गयी। सन् 1961 में भू–विज्ञान एवं खनन संबंधी कार्य उ़द्योग विभाग को स्थानांतरित किया गया। कालांतर में नैनीताल स्थित वेधशाला को इससे पृथक् कर सन् 1975 में विभाग का नाम सांस्कृतिक कार्य विभाग रखा गया जिसे बाद में संस्कृति विभाग की संज्ञा दी गयी।

- वर्तमान में संस्कृति विभाग अपने तीन निदेशालयों क्रमशः उ0प्र0, संस्कृति निदेशालय, उ0प्र0 पुरातत्व निदेशालय एवं उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय के माध्यम से उत्तर प्रदेश की गौरवशाली सांस्कृतिक धरोहरों, परम्पराओं, पुरावशेषों एवं स्मारकों तथा लोक एवं जनजाति कलाओं के विकास संरक्षण, संवर्धन के लिए सतत प्रयासरत् है।
- प्रदेश के विभिन्न अंचलों में समय–समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिनमें देश के प्रतिष्ठित कलाकारों के साथ–साथ युवा नवोदित कलाकारों को भी अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का समुचित अवसर प्रदान किया जाता है।
- निदेशालय द्वारा महापुरूषों की मूर्तियों का निर्माण, क्षेत्रीय सांस्कृतिक कलाओं के कलारूपों के अभिलेखीकरण के अतिरिक्त प्रदेश की लोक संस्कृति की लुप्त होती विधाओं को गॉव–गॉव तक पहुँचाना, मंच प्रदान करना एवं इनसे संबंधित सर्वेक्षण/दस्तावेजीकरण आदि महत्वपूर्ण कार्य भी निदेशालय द्वारा किया जाता है।
- ऐसे उत्कृष्ट कलाकारों/महानुभावों जिन्होंने अपने व्यक्तिगत प्रयासों से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरव प्राप्त किया हो, को यश भारती सम्मान पुरस्कार से सम्मानित भी किया जाता है। गज़ल, दादरा तथा ठुमरी विधा में पारंगत लब्ध प्रतिष्ठित 02 कलाकारों को प्रतिवर्ष विभाग द्वारा बेगम अख्तर पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।
- कल्याणकारी योजनाओं के अन्तर्गत प्रदेश के 60 वर्ष के वृद्ध एवं विपन्न कलाकारों को जिन्होनें अपना पूरा जीवन कला एवं संस्कृति तथा साहित्य की आराधना में लगा दिया परन्तु वृद्धावस्था एवं खराब स्वास्थ्य के कारण जीविकापार्जन में असमर्थ हो गये है, उन्हें रू0 2,000/– मासिक पेंशन दी जा रही है।
- विभाग द्वारा देश के महान विभूतियों की स्मृति को जनमानस में बनाये रखने तथा उनसे प्रेरणा प्राप्त करने के उद्देश्य से महापुरूषों की मूर्तियों का निर्माण भी कराया जाता है।

संस्कृति विभाग, उ0प्र0

04 वर्षों की गतिविधियाँ

संस्कृति विभाग प्रदेश सरकार का अत्यन्त महत्वपूर्ण विभाग है जिसे माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने सरकार के पहले दिन से ही अत्यन्त महत्व प्रदान किया है। मुझे यह कहने में संकोच नहीं है कि आज़ादी के बाद संस्कृति विभाग को सबसे ज्यादा महत्व वर्तमान सरकार में प्राप्त हुआ तथा विकास एवं कल्याणकारी दोनों ही एजेण्डे में विगत चार वर्षो में अनेक उपलब्धियां रहीं है। वर्तमान सरकार संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्द्धन के क्षेत्र में कार्य करने हेतु सतत् प्रयत्नशील है तथा इस दिशा में संस्कृति विभाग द्वारा अनेक कार्य किये गये ।

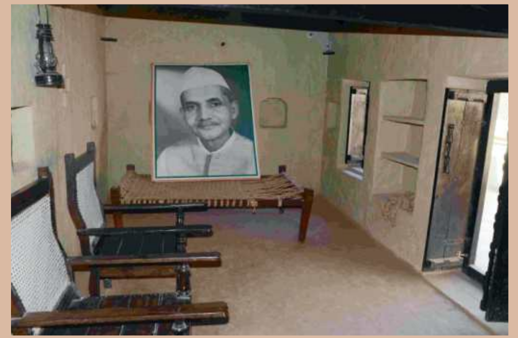

- पुरातत्व और संग्रहालय देश और प्रदेश की मूर्त विरासत को संजोये हुए हैं जिनका संरक्षण, संवर्धन हमारा दायित्व है। माननीय मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में विगत चार वर्षों में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किये गये जिनमें बलरामपुर में थारू जनजाति के वृहद म्यूजियम की स्थापना की जा रही है।
- रामनगर वाराणसी में पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 लाल बहादुर शास्त्री के पैतृक निवास पर सुरूचिपूर्ण संग्रहालय स्थापित कर आम जनता के लिए लोकार्पित भी किया जा चुका है।
- उत्तर प्रदेश की समृद्ध पुरातात्विक विरासत को आमजन तक पहुँचाने के लिए लखनऊ में दो आकर्षक पुरातत्व गैलरी का लोकार्पण भी हो चुका है।
- काशी की एक महत्वपूर्ण विरासत गुरूधाम है जो लगातार उपेक्षित थी। योग क्रिया पर आधारित मूर्त सांस्कृतिक धरोहर वाराणसी के गुरूधाम मंदिर का संरक्षण किया गया। संस्कृति विभाग द्वारा इस पुरातात्विक स्थल का जीर्णोद्धार करते हुए इसे पुनर्जीवन प्रदान किया गया है जो काशी की विरासत का एक महत्वपूर्ण स्थल बन गया है।
- मूर्तियों के क्षेत्र में भावी पीढ़ी को महापुरूषों से परिचित कराने हेतु प्रदेश सरकार ने महापुरूषों की मूर्तियां न केवल स्थापित की अपितु पर्यटक स्थल के रूप में भी इन्हें विकसित किया।
- वर्तमान में युग पुरूष पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की भव्य मूर्ति चंदौली में पर्यटन के आकर्षण का केन्द्र है। इस मूर्ति की स्थापना के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी ने प्रदेश सरकार के प्रति आभार भी व्यक्त किया। इसे दीनदयाल स्मृति स्थल के रूप में भी विकसित किया गया है।
- इसी अनुक्रम में राज भवन में स्वामी विवेकानन्द जी की मूर्ति तथा लोकभवन में भारतरत्न माननीय अटल बिहारी बाजपेयी जी की वृहद प्रतिमा स्थापित की गयी जिसका अनावरण माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा किया गया एवं प्रत्येक रविवार को अवलोकन हेतु आमजन के लिए लोक भवन के द्वार खोल दिये गये।
- लखनऊ स्थित राजभवन परिसर में लौहपुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल एवं भगवान श्रीधनवंतरि जी की मूर्ति स्थापित की गयी जिसका अनावरण माननीय राज्यपाल महोदया एवं माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया।
- श्रद्धेय महन्त अवैद्यनाथ, श्रद्धेय महन्त दिग्विजय नाथ तथा श्रद्धेय पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नन्दन बहुगुणा एवं श्री भारतेन्दु हरिश्चन्द जी की मूर्तियां निर्मित हो चुकी हैं जिन्हें अतिशीघ्र स्थापित किया जायेगा। डा0 सम्पूर्णानन्द, शहीद बंधु सिंह जी एवं श्री सुहेलदेव जी एवं श्री गुलाब सिंह लोधी जी की प्रतिमा निर्माण की प्रक्रिया विभागीय स्तर पर प्रचलन में है।

- अयोध्या में अयोध्या शोध संस्थान के परिसर में दक्षिण भारतीय शैली में टीक वुड की 07 फीट ऊँची कोदण्ड राम प्रतिमा का अनावरण माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया। एक लकड़ी में तराशी गयी यह मूर्ति भारत ही नहीं विश्व स्तर की कारागरी की श्रेष्ठ प्रतिमा है।
- प्रेक्षागृहों का निर्माण कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रयास है।
- इस हेतु गोरखपुर में अत्याधुनिक प्रेक्षागृह का निर्माण, गोरखपुर में ही मुक्ताकाशी मंच के अनुरक्षण का कार्य, पं0 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला जी की जन्म स्थली गढ़ा कोला, उन्नाव में विशाल स्मृति भवन, पुस्तकालय आदि का निर्माण कराया जा रहा है।
- संस्कृति विभाग की एक बड़ी उपलब्धि मगहर में आंचलिक भाषा तथा लोक विधाओं के विकास हेतु कबीर अकादमी की स्थापना की गयी है जो कबीर जैसे संत के लिए एक सच्ची श्रृद्धांजलि भी है।
- भारत रत्न माननीय श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी के पैतृक गॉव बटेश्वर में सांस्कृतिक संकुल का निर्माण कराया जा रहा है।
- प्रदेश की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत भी अत्यन्त समृद्ध है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने अत्यन्त सुस्पष्ट निर्देश प्रदान किये थे कि उत्तर प्रदेश में देश और विदेश की संस्कृति, कला, साहित्य को आमंत्रित किया जाये तथा प्रदेश की कला, संस्कृति और साहित्य को अन्य प्रदेशों में दूसरे देशों में भी पहुँचाया जाये।
- इसी अनुक्रम में अयोध्या में दीपोत्सव, मथुरा में रंगोत्सव एंव कृष्णोत्सव, वाराणसी में शिवरात्रि एवं देव दीपावली के अत्यन्त भव्य आयोजन प्रारम्भ किये गये।
- भगवान राम के अयोध्या आगमन पर पूरी दुनिया में हजारों वर्षों से दीपावली मनायी जाती है जिसे पहली बार प्रदेश सरकार ने भव्य रूप में प्रस्तुत कर अयोध्या को विश्व पर्यटन मानचित्र में स्थापित किया। तीन वर्ष से लगातार हम अपने ही रिकार्ड को तोड़कर गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज कर रहे हैं। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की पत्नी, फीजी की लोकसभा अध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में भागीदारी करती हैं जिससे वैश्विक स्तर पर अयोध्या एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में अपनी पहचान बनाता है। प्रतिवर्ष दीपोत्सव के अवसर पर 5–5 देशों की रामलीलाओं के साथ पूरे देश और प्रदेश के लगभग दो हजार कलाकार सम्मिलित होते हैं। अयोध्या में बच्चों द्वारा रंगोली, राम–सीता स्वरूप सज्जा प्रतियोगिता, चित्र प्रतियोगिता आदि के माध्यम से पर्यटन और संस्कृति का अलग अध्याय लिख रहे हैं।

- मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार प्रदेश में पहली बार महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी आमजन मानस में काफी सफल प्रतिकिया रही।

- प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, स्वालम्बन एवं आत्मरक्षा हेतु मिशन शक्ति के अन्तर्गत विभाग द्वारा प्रदेश के प्रतिष्ठित देवी मंदिरों में नवरात्रि के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यकमों का आयोजन किया गया। उक्त के अतिरिक्त सेमिनार/वेबिनारों का भी आयोजन किया गया।

- मथुरा होली की परम्परा के लिए विश्व प्रसिद्ध है। अनेक प्रकार की होली मथुरा में खेली जाती है जिसे वैश्विक स्तर पर कुछ लोग ही जान पाते थे। रंगोत्सव के माध्यम से बरसाना में होली की हजारों वर्षों की परम्परा को विश्व पर्यटन मानचित्र में स्थापित करने का कार्य किया गया है।
- किसी उत्सव और महोत्सव में देश और विदेश के कलाकार सम्मिलित होते हैं तब वह वापस लौटने पर प्रदेश की कला और संस्कृति के बारे में भी मधुर स्मृतियां लेकर वापस लौटते हैं। ऐसा ही एक महा उत्सव 2019 में कुम्भ मेला–2019 के रूप में हुआ। लगभग दस हजार कलाकारों के साथ संस्कृति विभाग ने 07 मंचों/प्रदर्शनी स्थलों के साथ 40 दिन तक निरन्तर विरासत की प्रस्तुतियां कीं जिसमें 11 देशों के रामलीला कलाकार भी सम्मिलित हुए। विदेश के रामलीला कलाकार कोई व्यवसायिक कलाकार नहीं थे इनमें इन्जीनियर, डाक्टर तथा अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञ भी थे जिन्होंने भव्य, दिव्य, सुरक्षित एवं स्वच्छ कुम्भ को देखकर आविर्भूत हुए तथा अपनी सुखद स्मृतियों को निरन्तर अपने देश वासियों को भी अवगत कराते रहेंगे। कुम्भ मेला–2019 की तारीफ सभी ने की है। अनेक पुरस्कार और अध्ययन कुम्भ मेला–2019 पर हो रहे हैं परन्तु एक महत्पूर्ण बात मैं आप सबसे साझा करना चाहता हूँ कि मेले में ईसाई, मुस्लिम एवं बौद्ध धर्म को मानने वाले देश से भी कलाकार आये परन्तु सभी ने संगम में दिव्य स्नान किया जिसकी फोटो उन्होंने संचार के सभी माध्यमों से साझा की।
- सांस्कृतिक आदान–प्रदान की श्रृंखला में एक भारत श्रेष्ठ भारत से जुड़कर उत्तर प्रदेश के सांस्कृतिक दल अरूणाचल प्रदेश, मेघालय, हरियाणा आदि प्रदेशों में सशक्त भागीदारी की है। प्रदेश सरकार ने महाराष्ट्र, अरूणाचल प्रदेश तथा मेघालय राज्य के साथ पारस्परिक सांस्कृतिक आदान–प्रदान के लिए एम0ओ0यू0 किये गये।

- इन्हीं के अन्तर्गत लखनऊ के राजभवन में महाराष्ट्र दिवस का पहली बार आयोजन किया गया। हरियाणा सरकार के साथ गीता महोत्सव तथा सूरज कुण्ड मेले में भी सक्रिय भागीदारी की गयी।
- केन्द्र सरकार द्वारा पूरे भारत के सांस्कृतिक दलों को एक मंच पर प्रस्तुत करने के लिए प्रतिवर्ष लाल किले पर 'भारत पर्व' का आयोजन किया जाता है जिसमें प्रदेश संस्कृति विभाग ने उत्कृष्ट प्रतिभागिता की है। छत्तीसगढ़ के रायपुर में अन्तर्राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव में उत्तर प्रदेश की थारू जनजाति दल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- गांधी जी की 150वीं जयन्ती का आयोजन भारत सरकार के निर्देश पर संस्कृति विभाग, उ0प्र0 द्वारा प्रदेश के सभी विभागों के समन्वय से किया गया। भारत सरकार की भांति ही प्रदेश सरकार द्वारा माननीय राज्यपाल महोदय जी की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय आयोजन समिति तथा माननीय मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय कार्यकारी समिति का गठन कर सभी क्षेत्रों से आपसी विचार–विमर्श कर आयोजन किये गये। गांधी जी को समर्पित तथा गांधी दर्शन पर आधारित वाद–विवाद, निबन्ध लेखन तथा अन्य सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं प्रत्येक जिले के प्रत्येक माध्यमिक स्कूलों में करायी गयीं। विधान सभा का विशेष सत्र भी आयोजित किया गया। 151 बच्चों द्वारा दांडी मार्च का प्रतीक आयोजन किया गया जो अत्यन्त लोकप्रिय रहा। गांधी जी के दर्शन से सम्बंधित स्वच्छता, स्वदेशी, स्वावलंबन, ग्राम स्वराज पर आधारित स्थायी योजना सम्बंधित विभागों द्वारा बनायी गयी हैं जिसे भारत सरकार को भी भेजा गया है।

4 वर्षों की गतिविधियाँ

- संस्कृति विभाग द्वारा भारतरत्न श्रद्धेय श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी की जयंती के अवसर पर विगत 03 वर्षों से प्रदेश स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है।

- उत्तर प्रदेश का सृजन 24 जनवरी, 1950 के विशेष आदेश द्वारा किया गया था। यह दिन प्रदेश के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण था परन्तु किसी भी सरकार ने इस दिवस को समारोह पूर्वक मनाये जाने का विचार ही नहीं किया। 70 वर्षो के बाद प्रदेश के मुखिया और तेजस्वी मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी ने उत्तर प्रदेश दिवस को भव्य रूप से मनाये जाने का निर्णय लिया जिसमें प्रदेश सरकार के सभी विभागों की भागीदारी सुनिश्चित की गयी तथा यह सुनिश्चित किया गया कि सभी विभाग अपने एक वर्ष के कार्यो का मूल्यांकन करें तथा अगले वर्ष की कार्ययोजना भी बनायें। प्रतिवर्ष उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर प्रदेश की विभिन्न प्रतिभाओं को माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा सम्मानित भी किया जाता है। खेल, समाज, पर्यटन, संस्कृति, चिकित्सा, शिक्षा आदि के महानुभावों को सम्मानित कर हम स्वयं गौरवान्वित हुए। इसी अवसर पर प्रदेश सरकार द्वारा एक जनपद एक उत्पाद के साथ कई अन्य योजनाओं को भी संचालित किया गया जिसके सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। वर्ष 2018 से प्रारम्भ किये गये इस कार्य कार्यक्रम का विभाग द्वारा प्रतिवर्ष आयोजन किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2020–21 में उ0प्र0 दिवस का आयोजन 02 स्थानों क्रमशः लखनऊ एवं नोयडा में सफलतापूर्वक किया गया।

- अयोध्या में रामजन्म भूमि पर मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा राम मंदिर शिलान्यास के अवसर पर संस्कृति विभाग द्वारा 25 स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा श्रीराम मंदिर माडल पर आधारित डाक टिकट भी जारी कराया गया।
- एकात्म मानववाद के प्रणेता पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन एवं दर्शन को आमजन तक पहुँचाने के लिए जन्म शताब्दी समारोह के साथ कई अन्य आयोजन भी प्रारम्भ किय गये। जन्म स्थान फराह, मथुरा में संस्कृति विभाग द्वारा भव्य आयोजन किये जाते हैं जिसमें आमजन की भागीदारी के साथ विशिष्ट महानुभाव भी उपस्थित होते हैं। मुगलसराय और चंदौली पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है जहाँ भव्य दीनदयाल स्मृति स्थल की स्थापना की गयी जो हमारी उपलब्धियों का एक बड़ा कीर्तिमान है।
- कॉमनवेल्थ पार्लियामेन्ट्री एसोसिएशन की 7वीं इण्डिया रीजन कान्फ्रेंस के अन्तर्गत संस्कृति विभाग द्वारा उत्कृष्ट सांस्कृतिक प्रस्तुतियां की गयीं। सभी सदस्यों को अयोध्या शोध संस्थान में 'राम की विश्व यात्रा' की प्रदर्शनी तथा हस्तशिल्प में रामकथा का अवलोकन कराया गया तथा सभी सदस्यों को पुस्तक भी उपहार के रूप में प्रदान की गयी।

- वर्तमान में चौरी चौरा के 100 वर्ष पूर्ण होने पर संस्कृति विभाग द्वारा शताब्दी वर्ष महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसका शुभारम्भ दिनांक 04 फरवरी, 2021 को मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा किया गया। उक्त आयोजन पूरे वर्षभर मनाये जाने की कार्ययोजना है।
- संस्कृति विभाग की स्वायत्तशासी संस्थाएं अमूर्त विरासतों पर आधारित हैं जिनके द्वारा तीन वर्ष अनेक महत्वपूर्ण कार्य किये गये।
- राज्य ललित कला अकादमी की उपलब्धियाँ इस दौरान अत्यन्त समृद्ध रहीं हैं। अखिल भारतीय राज्य चित्रकला प्रतियोगिता के साथ अखिल भारतीय छायाचित्रों का प्रदर्शन भी किया गया।
- उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी ने तीन वर्षों में नृत्य, नाटक, लोक संगीत एवं शास्त्रीय संगीत के साथ अनेक नाट्य समारोहों एवं बाल कार्यशालाओं का आयोजन किया। 10 वर्षों से बंद अकादमी पुरस्कारों से प्रदेश की 128 महान विभूतियों को सम्मानित किया गया, यह एक सुखद दिन था।
- भारतेन्दु नाट्य अकादमी नाट्य विधाओं में प्रशिक्षण के साथ युवा पीढ़ी को रचनात्मक गतिविधियों में जोड़ने का कार्य करती है।
- राष्ट्रीय कथक संस्थान, लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान एवं जैन विधा शोध संस्थान ने भी अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्य किये हैं।
- कोविड–19 के दौर में संस्कृति विभाग की संस्थाओं द्वारा सांस्कृतिक गतिविधियों को एक नवीन डिजिटल माध्यम उपलब्ध कराया गया। इस डिजिटल माध्यम द्वारा अनेक कार्यक्रमों को प्रस्तुत करते हुए उत्तर प्रदेश की संस्कृति को देश एवं विदेश तक पहुँचाने का कार्य किया गया।

4 वर्षों की गतिविधियाँ

- अयोध्या शोध संस्थान द्वारा रामायण इनसाइक्लोपीडिया पर कार्य किया जा रहा है जिसके माध्यम से सम्पूर्ण विश्व में संरक्षित रामायण कालीन विरासत को एकत्रित कर प्रस्तुत किया जायेगा। संस्थान द्वारा राम की विश्व यात्रा पर विशेष शोध कार्य किया जा रहा है। राम की संस्कृति लगभग पांच हजार वर्षों से पूरी दुनिया में प्राप्त होती है। इसका संकलन संस्थान की एक बड़ी उपलब्धि है जिसके द्वारा राम की विश्व यात्रा की प्रदर्शनी और किताब का भी प्रकाशन किया गया है।
- त्रिनिडाड, सूरीनाम एवं गयाना में एक साथ 21 दिन का रामलीला का प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन किया गया। मॉरीशस, फीजी, न्यूजीलैण्ड, थाईलैण्ड, इण्डोनेशिया आदि देशों में उत्तर प्रदेश की रामलीला टीम प्रदर्शित करने के लिए भेजी गयी। लगभग 400 कलाकारों को विदेश में प्रस्तुति का अवसर प्राप्त हुआ।
- उत्तर प्रदेश और भारत की रामायण चित्र शैली तथा थाईलैण्ड, इण्डोनेशिया, श्रीलंका के चित्रकारों का अन्तर्राष्ट्रीय शिविर पहली बार संस्थान द्वारा आयोजित किया गया। दस हजार बच्चों की रामायण कार्यशाला भी एक उपलब्धि रही है। आई0सी0सी0आर0 के सहयोग से अन्तर्राष्ट्रीय 'रामायण उत्सव' का भव्य आयोजन प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है जिसमें माननीय मुख्यमंत्री जी मंत्री मण्डल के सभी सहयोगियों को लेकर रामलीला देखने पहुँचे।
- अयोध्या में बंद पड़ी रामलीला को माननीय योगी जी ने पुनः प्रारम्भ किया, अब प्रतिदिन अयोध्या में अनवरत रामलीला का मंचन किया जाता रहा है। कोविड–19 के दौर में संस्थान द्वारा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर डिजिटल माध्यम से रामलीला का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

- प्रदेश सरकार द्वारा जो भी विशिष्ट गतिविधियां की गयी हैं उसका सांस्कृतिक पक्ष संस्कृति विभाग द्वारा उत्कृष्ट रूप में निभाया गया है। 23वें राष्ट्रीय युवा उत्सव–2020, डिफेन्स एक्सपो, मिशन शक्ति आदि के चुनौतीपूर्ण आयोजन में सांस्कृतिक रंग भरने का कार्य विभाग द्वारा किया गया। प्रदेश के लोक कलाकारों द्वारा प्रदेश आने वाले विशिष्ट एवं अति विशिष्ट महानुभावों का स्वागत एयरपोर्ट पर किया जाता है।
- अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का आगरा एयरपोर्ट पर ब्रज की संस्कृति के माध्यम से ऐसा स्वागत किया गया कि वह मंत्रमुग्ध होकर 10 मिनट तक एयरपोर्ट पर ही ब्रज कला को निहारते रहे।
- संस्कृति विभाग द्वारा संचालित पेंशन योजना के अन्तर्गत 60 वर्ष से अधिक आयु के प्रदेश के वृद्ध एवं विपन्न कलाकारों को पेंशन संस्कृति विभाग द्वारा प्रदान की जाती है। वर्तमान में 300 वृद्ध एवं विपन्न कलाकारों को रू0 2000/–प्रतिमाह मासिक पेंशन प्रदान की जा रही है। इसे विस्तारित करते हुए वर्तमान में सभी कलाकारों को भारत सरकार की पेंशन योजना से जोड़ा गया है। अब हमारे पास बची धनराशि से 500 से अधिक पेंशनधारकों को हम स्वयं पेंशन दे सकेंगे।
- कोविड–19 के इस दौर में संस्कृति विभाग द्वारा कलाकारों हेतु एक नया अवसर खोजा गया तथा संस्कृति विभाग की स्वायतशासी संस्थाओं द्वारा कलाकारों को सहयोग प्रदान करने हेतु आनलाइन कार्यक्रमों एवं कार्यशालाओं एवं वेबिनारों का आयोजन किया जिसमें आमजन मानस ने भी प्रतिभाग किया।

4 वर्षों की गतिविधियाँ

4 वर्षों की गतिविधियाँ

4 वर्षों की गतिविधियाँ